



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPL023253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ



प्रेस विज्ञप्ति पहला दिन

हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टेफैक्ट्स), जोधपुर- 2025 ईपीसीएच ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी), बोरानडा, जोधपुर (राजस्थान) 23 से 26 जनवरी, 2025

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पहले संस्करण का उद्घाटन किया

**भव्य मंच की शुरुआत चिरस्थायी हस्तशिल्पों और समकालीन लाइफस्टाइल उत्पादों के साथ हुई,
घरेलू वॉल्यूम और खुदरा सेल्स का स्वागत किया गया**

जोधपुर, राजस्थान- 23 जनवरी 2025: हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) द्वारा 23 से 26 जनवरी 2025 तक जोधपुर के बोरानडा स्थित ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) में आयोजित हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टेफैक्ट्स), जोधपुर-2025 के पहले संस्करण का आज भारत सरकार के माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने उद्घाटन किया।

इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "मैं ईपीसीएच की टीम और राजस्थान के स्टेकहोल्डर्स को इस उल्लेखनीय प्लेटफॉर्म को बनाने के लिए बधाई देता हूँ, जहां पूरे देश से घरेलू और खुदरा खरीदार आ रहे हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि "यह शो खास तौर पर शिल्प और विरासत से समृद्ध राजस्थान के उत्पादकों, कारीगरों और निर्यातकों के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और अपने चिह्नित किए गए लोगों से जुड़ने का एक बेहतरीन अवसर है।" माननीय मंत्री ने आगे कहा कि जोधपुर पहले मेहरानगढ़ किले और मिर्ची बडों के लिए जाना जाता था, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इसने दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है और अब यह अपने हस्तशिल्प के लिए जाना जाता है। उन्होंने ऑरेंज इकोनॉमी और क्षेत्र के समग्र विकास में इसके महत्व के बारे में बात की।

उन्होंने आगे कहा कि भारत के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त करने के साथ, चीन प्लस वन नीति का लाभ उठाने और उससे लाभ उठाने का यह सही समय है। माननीय मंत्री ने आगे बताया कि पहला संस्करण लॉन्च करना हमेशा एक मुश्किल काम होता है और जोधपुर क्षेत्र की टीम ईपीसीएच और सदस्यों ने इसे संभव बनाया है। उन्होंने हस्तशिल्प एक्सपो को साल दर साल बड़ा होते देखने और बड़े पैमाने पर और अधिक संस्करण देखने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि यह एक्सपो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन का प्रमाण है।

मेले का दौरा राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य एवं न्याय विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने भी किया और प्रदर्शकों से बातचीत की।

समारोह में सीओए ईपीसीएच के सदस्य श्री हंसराज बाहेती और श्री रवि के पासी; प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री. निर्मल भंडारी, श्री राधे श्याम रंगा, श्री डी कुमार, श्री घनश्याम ओझा, श्री लेखराज माहेश्वरी; ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा और जोधपुर और जयपुर क्षेत्र के सदस्य उपस्थित थे।

ईपीसीएच के चेयरमैन श्री दिलीप बैद ने कहा, "हस्तशिल्प एक्सपो- जोधपुर-2025 (आर्टफैक्ट्स) में प्रदर्शित अनूठे उत्पाद, शिल्प कौशल, परंपरा और नवीनता के मेल को बहुत खूबसूरती से दर्शाते हैं। ये खजाने न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं, बल्कि उन्हें समकालीन वैश्विक ट्रेंड के अनुसार भी डिजाइन किया गया है। यह आयोजन एक बहुप्रतीक्षित मेले की सिरीज की शुरुआत है, जहां भारत के प्रमुख उत्पादकों-निर्यातकों की रचनात्मकता को प्रदर्शित किया जा रहा है, और ये उत्पादक-निर्यातक अपने उत्कृष्ट शिल्प कौशल और अनूठे उत्पादों को दुनिया से रू-ब-रू करा रहे हैं।"

ईपीसीएच के महानिदेशक के किरदार में चीफ मॉडल और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, "एक आधुनिक और सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल, जैसे- हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टफैक्ट्स) जोधपुर- 2025 से, जोधपुर की समृद्ध शिल्प परंपराओं को बहुत सहजता के साथ जोड़ा गया है। इसे इस तरह से सोच विचार कर डिजाइन किया गया है कि इससे जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स को लाभ पहुंचे। एक्सपो में पुरस्कार विजेता शिल्पकारों को शामिल करना यह सुनिश्चित करता है कि यह आयोजन विश्वसनीय, कारीगरी के कामों से समृद्ध है और यह, भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को बहुत खूबसूरती से दर्शाता है। यहां आगंतुकों को एप्लिक शिल्प, लकड़ी के शिल्प, हॉर्न एवं बोन क्रफ्ट्स, जरी एवं जरदोजी शिल्प, हाथ से बने चमड़े के शिल्प उत्पाद, कढ़ाई और क्रोशिए की बुनाई वाले शिल्प, आर्टमेटलवेयर समेत बड़ी संख्या में हस्तशिल्पों को बारीकी से देखने का अवसर हासिल होगा।"

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री नीरज खन्ना ने साझा किया, "अपनी समृद्ध विरासत, शौर्य और पाक कला के लिए मशहूर जोधपुर, होम और लाइफस्टाइल उत्पादों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है।"

उनकी इसी भावना को दोहराते हुए ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने कहा, "यह शहर अब वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में काम करता है, जो बड़ी संख्या में कलात्मक फर्नीचर, विशिष्ट सांस्कृतिक हस्तशिल्पों, होम टेक्स्टाइल, डेकोरेटिव्स, गिफ्टवेयर, मेटलवेयर, वुड वेयर और जूलरी एवं एक्सेसरीज जैसे रचनात्मक उत्पादों की पेशकश करता है। परंपरा और शिल्प कौशल के अनूठे मेल ने जोधपुर को दुनिया भर के आगंतुकों और खरीदारों के बीच एक पसंदीदा गंतव्य बना दिया है।"

ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति (सीओए) के सदस्य श्री हंसराज बाहेती ने कहा, "यह मेला बीटूसी और बीटूबी, दोनों बिजनेस मॉडल के रूप में काम करेगा और प्रत्येक दिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक आगंतुकों का स्वागत करेगा। मेले का उद्देश्य मौके पर ही बिक्री को बढ़ावा देना और घरेलू वॉल्यूम खरीदारों को समुचित अवसर प्रदान करना है। इस आयोजन से खुदरा दुकानदारों और घरेलू खरीदारों के अलावा, होटल व्यवसायियों, आर्किटेक्ट, डिजाइनर, ई-टेलर्स और कई अन्य पेशेवरों के आकर्षित होने की उम्मीद है।"

ईपीसीएच के प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री निर्मल भंडारी ने बताया, "इस शो में आने वाले लोग, चार दिनों के दौरान अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले सकेंगे और खरीदने के लिए यहां मौजूद विभिन्न व्यंजनों और अन्य खाने की चीजों का लुफ्त उठा सकेंगे, इससे उनके यहां का अनुभव यादगार रहेगा।"

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा ने कहा, "ईपीसीएच, व्यापार के लिए मार्केटिंग प्लेटफॉर्म तैयार करके क्षेत्रीय शिल्प को बढ़ावा देने का लगातार प्रयास करता आ रहा है, खास तौर पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों, कारीगरों और शिल्पकारों के लिए, ताकि वो अपने पारंपरिक शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर सकें। इन उद्यमों के वाइब्रेंट लाइन भी इस शो में आने वाले आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।"

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश भर के शिल्प क्लस्टर्स में होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने में लगी एक नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि वर्ष 2023-24 के दौरान हस्तशिल्पों का कुल निर्यात 32,759 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का हुआ था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्ष 2023-24 के दौरान वुडवेयर का कुल निर्यात 8038.17 करोड़ का किया गया, इसमें 28.19% हिस्सेदारी जोधपुर की थी।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच

+91-9810679868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ



PRESS RELEASE DAY 1

Handicrafts Expo (ARTEFACTS), Jodhpur-2025
EPCH Trade Facilitation Centre (TFC), Boranada, Jodhpur (Rajasthan)
23rd to 26th January 2025

**1st Edition inaugurated by Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble
Union Minister of Culture and Tourism, Govt. of India**

**Majestic Platform Opens with Timeless Handicrafts and Contemporary Lifestyle
Products, Invites Domestic Volume and Retail Sales**

Jodhpur, Rajasthan 23rd January 2025: The 1st edition of Handicrafts Expo (ARTEFACTS), Jodhpur-2025, organised by the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) from 23rd to 26th January 2025, at the Trade Facilitation Centre (TFC) in Boranada, Jodhpur was inaugurated today by Hon'ble Union Minister of Culture and Tourism, Govt. of India, Shri Gajendra Singh Shekhawat.

Addressing the gathering he said "I congratulate team EPCH and stakeholders from Rajasthan for creating this phenomenal platform where both domestic volume and retail buyers from all over the nation are visiting." He added that "the show is a great opportunity, especially for manufacturers, artisans and exporters from across the craft & heritage rich Rajasthan to showcase their products and connect with their target audience." The Hon'ble Minister further said that the Jodhpur was used to be known for Mehrangarh Fort and Mirchi Badas, however, over the years, it has gained popularity across the globe, and now it is known for its Handicrafts. He spoke about orange economy and it's importance in the overall growth and development of the region. He further added that with India gaining a positive outlook amongst the international community, it is high time to leverage the China plus one policy and gain advantage from the same.

Hon'ble minister further shared that launching 1st edition is always a difficult task and team EPCH & members from Jodhpur region has made it possible. He urged to see the Handicrafts expo getting bigger year on year and see more editions to come at larger scale. He further added that this expo is a testament to the vision of Hon'ble Prime Ministers Shri Narendra Modi's vision for Vocal for Local and Atmanirbhar Bharat.

The fair was also visited by Shri Jogaram Patel, Cabinet Minister of Parliamentary Affairs & Justice Department in Government of Rajasthan and interacted with exhibitors.

The ceremony also saw presence of Members COA EPCH Shri Hansraj Baheti and Shri Ravi K passi; Shri. Nirmal Bhandari, Shri Radhe Shyam Ranga, Shri D Kumar, Shri Ghanshyam Ojha, Shri Lekhraj Maheshwari prominent member exporters; Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH and members from the Jodhpur and Jaipur regions were present.

Shri Dileep Baid, Chairman of EPCH, remarked, “The displays at Handicrafts Expo (ARTEFACTS), Jodhpur-2025 feature one-of-a-kind creations that beautifully capture the essence of craftsmanship, tradition and innovation. These treasures not only reflect India’s rich cultural heritage but are also designed to suit contemporary global trends. This event marks the beginning of a highly anticipated fair series, showcasing the creativity of India’s leading manufacturer-exporters who have been presenting their exquisite craftsmanship and unique products to the world.”

Dr. Rakesh Kumar, Chief Mentor in role of Director General EPCH & Chairman – IEML, informed, “This seamless integration of Jodhpur’s rich craft traditions into a modern, sustainable business model such as Handicrafts Expo (ARTEFACTS), Jodhpur-2025, is thoughtfully designed to benefit all stakeholders involved. The inclusion of award-winning craftspeople ensures the event is enriched with authentic, artisanal works that beautifully reflect India’s diverse cultural heritage. Visitors will have the opportunity to explore a wide range of crafts, including Applique Crafts, Wooden Crafts, Horn & Bone Crafts, Zari & Zari Crafts, handmade leather products, Embroidery and Crocheted crafts, Artmetalware etc.”

Dr. Neeraj Khanna, Vice Chairman, EPCH, shared, “Jodhpur, renowned for its rich heritage, chivalry and gastronomy, has also emerged as a prominent hub for home and lifestyle products.” Echoing this sentiment,

Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH, added, “The city now serves as a global supplier, offering a wide array of creative products such as artistic furniture, ethnic handicrafts, home textiles, decoratives, giftware, metalware, woodware and jewellery & accessories. Its unique blend of tradition and craftsmanship has made Jodhpur a favorite destination for visitors and buyers from around the world.”

Shri Hansraj Baheti, Member, Committee of Administration (CoA), EPCH, added, “The fair will welcome visitors on all days from 11 AM to 8 PM, functioning as both a B2C and B2B event. It aims to encourage on-the-spot sales while offering significant opportunities for domestic volume buyers. In addition to retail shoppers and domestic buyers, this event is expected to attract hoteliers, architects, designers, e-tailers, and many other professionals.”

Shri Nirmal Bhandari, Prominent Member Exporter, EPCH, informed, “Over the course of four days, attendees can also enjoy diverse cultural performances and indulge in a variety of cuisines and food items available for purchase, adding to the overall experience.”

Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH said, “EPCH has been regularly making efforts to promote regional crafts by curating marketing platforms for trade, especially for micro and small entrepreneurs, artisans and crafts persons to showcase their heritage craft skills. Vibrant lines by these enterprises are also among attractions for the visitors to the show.”

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal organization for promotion of exports of handicrafts from the country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture, and fashion jewellery & accessories in craft clusters of the country. The overall Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32,759 Crores (US \$ 3,956 Million). The exports of woodware during the year 2023-24 is 8038.17 Crores with Jodhpur comprising 28.19% in woodware exports added Mr. R. K. Verma, Executive Director - EPCH.

For more information please contact:

Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH

+91-9810679868

Encl: Hindi, English with Photos





Photo 1,2,3 & 4: Hon'ble Union Minister of Culture and Tourism, Govt. of India, Shri Gajendra Singh Shekhawat inaugurated by Lamp lighting and Ribbon cutting in the presence of Members COA EPCH Shri Hansraj Baheti and Shri Ravi K pass; prominent member exporters Shri. Nirmal Bhandari, Shri Radhe Shyam Ranga, Shri D Kumar, Shri Ghanshyam Ojha, Shri Lekhraj Maheshwari; Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH and members from the Jodhpur and Jaipur regions



Photo 5: Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble Union Minister of Culture and Tourism, Govt. of India addressing the august gathering during Handicraft Expo (Artefacts) Jodhpur 2025 at TFC, Jodhpur



Photo 6: Hon'ble minister interacting with exhibitors during Handicraft Expo (Artefacts) Jodhpur 2025 at TFC, Jodhpur



Photo 7: Shri Jogaram Patel, Cabinet Minister of Parliamentary Affairs & Justice Department in Government of Rajasthan visited the fair and interacted with exhibitors during Handicraft Expo (Artefacts) Jodhpur 2025 at TFC, Jodhpur